

प्वउचिह्यं वया व. यं टमाया व. कसि. धल. दा कथं पि हायी व. धर्मा कर्ना वूद धाय॥ ॥ म्मति द्य
 क. लिर्लू वा व. धया द दानी धाय॥ ॥ कठन कया व. कठ थ द वा द ग्व. ध क न ध धाय॥ ॥
 चकें उ न न व ग्व या न. द न हा धाय॥ ॥ श्या न ल धा या ग्व. खाली न धाय॥ ॥ धा उ म वा द ना या
 न. ज नू हा धाय॥ ॥ हा यू व सं वा व या न. नू का ल य नि न धाय॥ ॥ खाल स व व थ ल क कू. म
 ख इ उ ख क धाय॥ ॥ मा स थ. हा क स वि व ग्व. ला नी ल नी ला मा ध धाय॥ ॥ नी ले या ना म
 गिल क धाय॥ ॥ य ध ल व व ल या ना म. व गि धाय॥ ॥ हा कू टि टि व व ग्व या ना म. नी ली
 का धाय॥ ॥ य्या ल ख क व ल या ना म. य नि व र्ति का धाय॥ ॥ मू या म लो क या ना म. गु उ उ

लुफिस्यं सुनकेयानयाय लमलमूनकेरुलसा कचिला नस्ययाय मूनकेरुनसाममाल दंदवतय
 नसद्रुलिया मठधकयानाहा ॥ वंचस्येवाठविस्त्रुलि मिसदाहलयाव संध सिधन नसच
 कनसूठयाय हिनजावया ककूयारिंलम ॥ ॥ रुठासासि हलधाल निम्बहल इयिचिकन
 ससूठयाय मिखासथन मिखासयया ककूयारिंलम ॥ ॥ गजि न्यहलि गन्धक माहान
 ६ खयन वनरुनय इयिचिकनससूठयाय घाघलककूया धालिककूया भाककूया
 उरुमनहिंलम ॥ ॥ कचिहल ३ नकेयान ३ यावाहल कलेवसिक्कव २ खलिखला रुफिस्य
 पाये रुजिचिकनय खलववस दंदववया याय उरुमनहिंलम सससमठधक ॥

३१७

कूट वृद्धिमिति लवठ चदन मरुमाठ स्यन्ध धनसमलग वंकठसूठ यागलयाकसूठवया ॥
 माहलधु अलयनहा कलिजनीतचुलयाय वाभाठक ककूयारिंलम ॥ ॥ मया माग्नेहा मनीच म
 नकउलम धनसमलगवनेयाठ गावरा ननसमदजया वेयाय मिककूया वासूया मनिहिंलम ॥
 माहलधु ग्वायलकहा वेकचि वेहा मगा धनलगमनीननस्य पाय जेकाथी वासस्यवेवककूय
 निहाल्यहिंलम ॥ ॥ मया माग्नेहा हंठाकिमित्य ग्रासाहमिक्कव धनसमलग मनीसेनयावयाव ककू
 यारिंलम ॥ ॥ हनउ पावस खयल साधसनेस्यपोय ककूसंहिठ खलधयलहिंलम ॥ ॥ लाहा
 नुठ वाकिवा हनउ वागुखिल धनचकनसूठयाय घाघलककूयारिंलम ॥ ॥ गन्धक कंद खल
 हनउ वकचि ग्वायलकहा वेहा धन इयिचिकनससूठयाय इयका कूया ॥ ॥ गन्धक वकचि

वेहा हनति रुक्मिल किलि नुठयु लमनीननयावयाय इयक कृयायाय ॥ वाधनकलि सन्धु ह
 नति निनि विसनि जा धलि वसिधात यलका समलग कर्कया खगलया कव स्याना ॥
 हनति संगलास गविल नुठयु मोक लमसुनस्ययाय सूर्ययोषदिन न कंदस्य चाक शयाक वल्य ह
 यमधुल कंकुया हिंण ॥ लकोय हली याक षठमाल देवदा न थक जा धन समलग रयिचकन ॥ ३१०
 सवृद्ध याय वासुक कृया कयया रुसया गल हलियो मालक कृया नगवानया हिंण ॥
 हययामयावाल वकस्ययावाल गकि धन वृत्तयादं रुठनक रवाउ लखखनक रुठकीलदावया ॥
 ॥ पाउ धल रवला रयाक याय कयिस् यालिगल स चाननवया चकीलननवया ॥

सिधल गुगुल नसा ३३ न सिध लिलाधरि धन समलगन चक षठ वासुक कृया दिन नाना क
 कृना ॥ सिंइनादिनेली ॥ गलपियेली चकखयल समलगवृत्तयादं याय गुल सिलखन
 मथवा कोयली लखननव मलथर्था रयाय दिन २१ नय ३३ दिन २७ नाना मलास्योठलग
 घालयायाय याहनस याउसयालगदया नल २ हिजयायाय हिंण ॥ ॥ छिमिति सि
 थकोस सिध गुलवाठ मनधि श्रीखेछु चक षठ रुठ धनेलयनयाय मिनयुकेया घानया
 कंकुयालावखा ॥ मलिखान नककुठाभ सया ३३ न नयोवयाचक कासिनकाकना ॥
 ॥ धमिनाना ककुयाल वृयादियाचिकित्साकर्म ॥ ॥ ॥ ॥ मथमसुनीनागचिकित्सा

कर्म॥ ॥ वंशत्वकसूनसालाका कर्पासास्ति मयूनकी यवपिष्टं विषं सयिववा उक्तं सुवर्चला ॥ धूप
 नार्थयथा लहं धूपमं न स्यात्तथेन नानादाववथा केवनिष्ठं न्यासमसूत्रिका ॥ नष्टं क्रान्ति विषकविनयथ
 लहं हर्गं विहं ॥ धूयाद्य ॥ ॥ निम्बपर्यटकं या अयटालकेटं नाहि ॥ वासा इला ललाधारी ॥ मूली
 लचन्दनद्वयं ॥ न कनिम्बादिकं रव्यानां ॥ यागं ॥ कर्कशं नयान्ति ॥ मेसूनि सध्याहन्ति ॥ कन विसर्पसक्तं व
 ॥ उत्थिनाय विहायान् ॥ यूनसावसूना नय ॥ निम्बादि ॥ ॥ यिवत्समसूत्रिका नमः ॥ विम्बवार्धकं व
 लनसं ॥ कलिमपि यलीचूर्णं ॥ सकाडक ह्मधर्न ॥ कलनाहन नक्षत्राला ॥ अश्वपिहं कुर्या ॥ कसूड
 रयात्रालिस्त्रमधर्नक ह्मधुद्वयं ॥ नयगाववगानयहा ॥ कवउक्तं ददसी ॥ कलसूत्रादि ॥

१२

लवंगं धूपलकचन्दनं ॥ यक्षी सदाका कनी कलालं धूपली ॥ ससावसूनी गया सकाडमसूत्रिका नागदिदा
 वरुनि ॥ लवंगं दिलहं ॥ ॥ धूपलामिडिकं यक्षी ॥ लवंगं वंशलाचर्न ॥ कर्कशं मेधूसंयुक्तं ॥ मसू
 त्री कन ॥ नय ॥ सूत्रादि ॥ ॥ कानियं समसूत्रिका ॥ दावीयुगदलसमा ॥ धाणी दलसमधुक्तं ॥ क
 थिर्नमधूसंयुक्तं ॥ मूखवृक्षकलनाग ॥ मसूत्री नाग ॥ नय ॥ कानिया ॥ ॥ पाददाहं यक्षुर्न ॥ वि
 उका पाद जोहं स ॥ नैजहा कंय कृषिनिवहसं सुलामूर्ना ॥ ॥ यक्षयलकनचूर्णं ॥ कदनीन
 चकूर्णयन ॥ रसनी वा विदि कनिकं ॥ विंलमसंयुक्तं ॥ यक्षयलदि ॥ ॥ ध्वनिमसूत्री नाग
 या विदि ॥ ॥ ॥ ॥ नकचन्दनमसूत्रिका ॥ कलधूपि रंगवा ॥ वर्णा कलामसूत्रां ध्वनि

१२०

॥ नोयस्त्वनशूलं ध्वयाकंठालं गवः ० यलकहाः स्थन्धुः सान्धिननयावः लयनयायः यत्र ननावाः ॥
 ध्वनिलेववग्वः यत्र नवगया ॥ ॥ सिद्धार्थकवचालाधुः स्थन्धुवः यलयनः । गनागलोचनायकं । मवि
 र्मसुखलयनी ॥ सिद्धार्थादि ॥ मलकक्या ॥ ॥ चिश्कंदनिमूलं च । कोयोटकिसमन्विनः । कल्कपिष्टाय
 चकैलः । कंठासुविनाशनं ॥ चिश्कादिनैलः ॥ नाकक्या ॥ ॥ एङ्गनाज्जिह्वलात्यनसात्रिलाहयनि
 यमेमन्विनकानां नैलमिदं यवदानृषदालिकुचिर्नकंठाघनस्त्रिकानि ॥ एङ्गनाज्जिह्वला ॥ सर्वयकवना
 कक्या ॥ ॥ कसुः चालमसहोचकगीनिः कूट्याटकः । लवत्वाचः । मिकिसिद्धवः । ध्वनचकन
 ठवोयः । नाकक्या । हिंगम ॥ ॥ कनवीजत्रनीकाणीः । सयज्ञकः । लोचना । रुनिनालः । शूलः । धार्यः । मलमा

हिमहाचकेलननवया ॥ ॥ कूयालायायाकावः स्यन्त्यनक्षस्यः कायलसयालचिस्यः चकनसकाली
 कोकनउस्यः मून्यानलुकया ॥ ॥ धोलीनस४सर्जनस४सोत्रीनयीरुचनदामेश्वरवनिमिध्वनियेनश्रु
 हयसुथेवमृदुनकेनामि ॥ ७ ॥ मूवलमिः सदलासे यमसखाजः धर्मस्वधननस्यः कायउसयनहा ॥ ॥
 कोयउनवास्यः सिद्धिनाह ॥ ॥ मूवनादि ॥ ॥ केधुहेनेली सिद्धिः नायनयावयायः ककूयाः खिवानकाकय
 रिंला ॥ ॥ निम्बः वरुं सिंयाववः वृषालः नसः सिंगवाइइ नयावयायः च्याकयारिंला ॥ ॥ सूर्यरुक्
 रुंस्यानः कत्रयसुः लखननियावयायः च्याकनाह ॥ ॥ उन्दुः तुस्ययामणिः मजवः पियलीः धात्रेव
 नः होः नस्यलयनेयोहः च्याकनाह ॥ ॥ वृनिशुद्धनागयाचिकित्सा ॥ ॥ ॐ ॥ ॥

१२९

मूथकोल्यः धायः याकनयाः कनयाचिकित्सा ॥ ॥ गिलाऊरुयूनवास्वविठ्ठिगरिरुलामुनागाकाक
 यन्तस्यापिदुर्लभधूनाकोल्यनाहानं ॥ गिलाऊरुय ॥ ॥ मूलवेषारुवः चूर्णपीनकात्रिकसंयुतः
 दोग्गन्धनाहयन्त्याहुः इक्षुमदारुवज्रधर्म ॥ मूलमूखाश ॥ ॥ एममूयपिष्टं विनिरुनिदेष्टं चूर्णं
 कर्नएमययसाचयकं । ककादिदोग्गन्धहर्नयथारिः ॥ ॥ मूलवणी कडुजनीदयन ॥ वायः याकनयाक
 नया ॥ ॥ गिरुलामिविषामूर्च्छाः रुदुचिउकवासकेठानिम्बानगवधषण्णकासफयणीनिसादय ॥
 उन्नीचुसूनाडुससर्षपनागनेठानिलमरिः सगायकः मूजसादिनसापुनः । यातान्यशूनमसुवधगन्धः
 वलिपूयाजिनं । क्लृणालस्यककुदीन्ः जयत्कुरुकनागदोन् ॥ गीरुलोदिनली ॥ ॥ चन्दनं कूम्भमा

गीर्णः प्रियं गुह्यं विनाचना। उच्छ्रायं कस्य र्यः कस्य प्राजागिय शिका। जागिक कर्कोल पुष्प नील वंग स्य हलानि
 च। नलिकानल दं कस्य ह न ह न ग न य व ॥ न र्व व्या घ न र्व ए का का ला द स न क न थ ॥ स्त्री हा ये क व न के क
 ल य वा लू की स न ल स क य वी न्य ला का गा म ल की न थ ॥ ला जा म र्जी क य द क श्र धा न व ॥ क स म नि वा
 य यो ह न्री क क शी न स म र्गी ॥ बा हा म र्जी क ॥ म हा स र्ग न्ध मि थ न क ल य स्के न सा ध य गा ॥ य स्वे द म ल द ग ल
 क ह र्क ह र्क न य न ॥ न न ना थ क ग य स्कु र ह य फ नि का यि वा ॥ य व ह व नि ह का य ह सी धा म य न व ल
 ॥ स र्ग म द ह नी य ध ग र्क च य म दा हा न ॥ व न्ध यि ल र्ग ग र्क ॥ व ह का यि पु न्वा य न ॥ न य र्क ॥ य र्क मा यी नि
 जी व ध स न दा हा न ॥ म हा स र्ग न्ध न ल ॥ ॥ ह नि स्त्री ल्य चि कि त्सा ॥ ॥ ॥ ॥

२२२

र्ग म्भ म्भ ना ग या नि दा न ॥
 हि न ना य न य ॥ ध व क्ता धि गी ना
 य ॥ ध व क्ता धि क क्ष य ॥
 जि का ग न ना ग क्ष य ॥ भ या ना य ॥
 ना हि नी व ल दा व ॥ क ह्वा ल थि
 क म र्जी व ॥ क ह्वा ना ग क्ष य ॥ क ह्वा
 ध न ना या न्ना गु या ना य ॥



न्ना गु सिया ना य स ॥ ला न ना य न य
 य यो ल क ह ॥ वि दा ह र व न ना य न
 द न ना ग ना ग क्ष य ॥ वा या ना य ॥
 ना लू ग न ना ग क्ष य ॥ ध क या ना य
 य व ॥ वि दा ह र व न ना य न य ॥ क य
 यो ल ना य ना य ॥ म्भ ना ग क्ष य
 ह्मि म्भ ना ग नि दा न ॥

॥ मय मयवत्राययाचिकित्सा ॥ ॥ गृहधूमयवक्राययावयावत्रसा ॥ नञाकागिरुलालाधुवि
 एकल्यनितुर्निर्ग ॥ सञ्जादेवत्रयदगदुलत्रागेदिनागर्न ॥ कानकन्नामचूर्णयदनास्यमयवत्रागेन
 ॥ कानकचूर्ण ॥ ॥ नञासमावच्चलरुडमसमृग्गलधूमकटुकं लिङ्गं वा ॥ कानायवांनां विवे
 स्ममं गलगसमाचूर्णं कृताविषया ॥ कल्लसुत्रागुठययथंगलाधुवैष्यकासात्रियिनसाध्याहृन्ना
 रुहाद्विद्विद्वन्नागोष्मकल्लसुत्रागुठययथंगलाधुवैष्यकासात्रियिनसाध्याहृन्ना
 लिङ्गधुवैष्यकागर्न ॥ किमिदन्नायदुकाषु ॥ लिङ्गुदेनाकनक्तिन ॥ ॥ एडादिलयनं ॥ ॥ व्याकाल
 कोयाव ॥ ॥ नकपनिस्यनिय ॥ दन्तहूलनाहा ॥ ॥ रुद्धादीलाधुमयसमञ्जायावक्रागेन ॥

२२३

नीपीनिकाच ॥ चूर्णसर्पधर्षणदिगाननिकसाव ॥ रुक्मिकल्लुत्रागा ॥ ७ ॥ कूट ॥ मिचकिशि ॥ उल्वा
 उ ॥ मसु ॥ मनधि ॥ वागुय ॥ कटुक ॥ नञमनि ॥ रुत्र ॥ ध्वनं समलग ॥ चूर्णयाद ॥ ॥ नञासमावच्चल
 नञाधिनाहा ॥ कृष्णापिचूर्ण ॥ ॥ गुग्गु ॥ चूर्णयाद ॥ याउविसेन ॥ वानकावकं नय ॥ दन्तहूलनाहा
 ॥ ॥ हिं ग्व ॥ विडिं ॥ स्यन् ॥ गुग्गु ॥ चूर्णयाद ॥ वाककावकं नय ॥ कूटनस्याकं थध्यन ॥ दन्तगोयना
 ना ॥ ॥ ध्वनिकनत्रागयाचिकित्सा ॥ ॥ खटिनस्युलासम्यक ॥ रुलडाहाविद्यावयना ॥ लभवाखराग
 मञ्जुवनिवानी ॥ दन्तासुगलत्रागेषु ॥ किङ्कानाल्वाभयषूच ॥ स्वल्पवेदिनवेटिका ॥ ॥ रुनिमकीवचाकू
 र्ण ॥ रुग्नागुठयवकुचि ॥ गृहाजीचागुठय ॥ यद्विमधुकस्यन्धवा ॥ गृहत्रयिगथावक्रिगर्विपूषिणागावलि

नगानिसमरागा निशुक्रचूर्णपुकात्रयग ॥ रुक्मपातलगागरुक्कयममधुसर्पिषा । सकजलो रुवत्सधादडा
नाजीसुधरुवत्त ॥ नकविंहागिनाजाहिनिवमेधसूचिरुवत्त ॥ कनसामेकनेशुक्तन्यायार्थसहसुध ॥ मयूग
नारुवत्सगिर्कोकिलानाध्वनकथा ॥ नर्वसनस्वगीचूर्णदेवानामेयिदुर्लभ ॥ सनस्वगीचूर्ण ॥ ॥ कानिस
यममश्रिष्टादावीयुगदुर्लसमी ॥ धाजीरुलमधुकैकिथिर्गमधुसर्पिषायुर्ग ॥ रवरवखलककनाधागहुवाथ
पुसस्यर्ग ॥ कात्यादि ॥ ॥ लवंगचन्दनैकैर्कानिरुलसमन्विता ॥ वृक्षुलमक्षानमिसिर्गलयथकन ॥ नि
कायाठककुनाभायक्रिष्णाभागस्यरुषर्ग ॥ चन्दनादि ॥ ॥ जावाहासोहादुलकसुल ॥ कानिविषेष्वा
ल ॥ पिपिनि ॥ मन्त्रचयमसखात्रचूर्णनक ॥ कक्षालहिलेग ॥ ॥ कानिविषेकसुकन

वीज-दवदात्र-यलाउवनी-कटुक-ध्वनंका०दास्यंकसिक्कं-चनकं-गलनागनाहाखा॥
यवायजीतवनीचयाभनसाभिनदाननि॥चकषा-क्रोडंहाकूय्यालुटिकांमूवेनगांधात्रयम्-सर्वग
लामयम्॥ ७ ॥यमसखान-गंजमनि-वाउर्व-नेसांजन-मिवकिमि-पिय्यली-ध्वनंसमलोगवृक्ष
यादं-कसिनवाल-लउचिदं-मूथुसथंठनय-कठयात्रायधकनाहा॥यवाक्रात्रादि॥
दाधीगुडूचीसूमनायलाडाकायवासिहलाकवायहाक्रोडंहायूकंकवउगहाय-मूवयाकस्य
समययूदीर्घ॥ ७ ॥मिचकिमि-गुडु-जिनिस्वानवाल-मिठिसि-इलालं-रिहला-ध्वनं
नेयादं-का०दास्य-षादकाव-कसिक्कं-मूथुसथंठनव-मूथुसववककनाहा॥

बालहा गिनियात्रहा वान चिउकहा गंहा निहा यागुनसिहा इकठगिगीहा निकठगिगीहा स
 नयहिहा मूलदहा एरुकीहा ध्वदहामूलका ० दास्यगीका याव दहामूलकनाद मरुशरकठ
 गिकायाव साइइकु १ कललली कलकष धनलिकखद काससथन्यइ पायइ ककवायइ
 खनकंइ कुमुमासदि कनाहा कुमुयात्रायनाहा ॥ नैजमनि रुसियाइइस खोला वहाय
 मंसककुववया ॥ खयत्रकु १ लखइ १ गीत्र ककाला रमाच देहाहा खोखन्द उशोल
 वंसलाचने ककुनि कयत्र लवखाव सुकम्याल याठक नूयकंहात्र लला धनसंस उधालन
 धनकुद खयत्रलिचिदनकं हिवाव कुमुनधाव वास्याक कुमुसिसककुव गल्याठसककुव

१२५

मंसककुव थकसककुव समरु कुमुयात्रायनाहा रुवरव ॥ खयत्रलली ॥ ॥ छिदिमिठि ॥ ॥ म
 नि स्यन्ध धगिसमराग धले कलिनवाल सथनकं कासकुनने साधनरि निवनीयक
 कुननेसा माहाया रुइय ॥ ॥ जिनिखानहले सुकम्याल पियली गेवा कलस्ययाहल
 धनसमरागयाठ कलिनवालनकं नासलरिनके ॥ ॥ नैजमनि ॥ छिदिमिठि ॥ कयत्र
 खयत्र साखत्र धनसमरागयून कायलसयालधननकं मंसककुववनाहा ॥ ॥
 गिरुला मनिव पियली लमसयाल नैजमनि गुल्याउ खल वामुख धनसमराग वूर्क कलिनउमलनकं
 वमं मांमयाहिद कुमुयात्रायसमरुनाहा ॥ ॥ छिदिमुखत्राग याचिकित्ता ॥ ॥ ॥ ॥

१ मूथ कर्ण भाग यानि काना ॥
जन्म सन्मर्ग ४ कूल मणि च कर्ण
विकाने यान् इव न्यः प्रा स थान
ल धा या ॥ ॥ कर्ण भाग ४ कि
ना र्ण मर्द गण र्क्षि नां कर्ण
वर्ण रु स व्या पय धा का व ना
ल र्खि सल र्खि वय या सल



समीलदा ४ उग्रगगनान्यथा च
 योः ॥ ७ ॥ हसं क्रसस इवार्द्ध
 गवमाननस्यो मे ॥ ध्वकल्लु
 भवान् ४ इष्टलोमिविविक्षस्वना
 नाद ४ स उच्यते ॥ ७ ॥ क्रस इ
 ना सद्यः क्रसनगायीवर्काहा
 ॥ ध्वकल्लुना उच्यते ॥ ॥

234

कृतादमनावर्वायः श्वयानामवाधिर्यधाय ॥ ॥ द्वा सुनक्तिववलायानाम ॥ श्वकर्मसंसावकाय ॥
 ककुवलसा श्वयानाम ॥ श्वकर्मयाकधाय ॥ ॥ द्वा सुसुर्धालमा ॥ श्वकिमिकर्मधाय ॥ ॥
 कर्मनागधायार्धः द्वा सुयोनयाभाय ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ गूथकर्मनागयाचिकित्सा ॥ ॥
 कर्मयाकस्यरेषर्धः कर्मयत्कनविसर्गवता ॥ ॥ कूष्मन्तिववादान्नाकाविध्यसन्धवीयुगिक
 कर्मपहर्गलः वसुमूर्धनासाधिनं ॥ कूष्मन्तिववादान्नाकाविध्यसन्धवीयुगिक
 नैलमिद्धिवसुमूर्धनाकर्मपहर्गलनिवानर्गं ॥ द्वा सुयोनयाभाय ॥ ॥ त्वर्जिकामूलकर्मपहर्गलः ॥
 कर्ममहाषधः ॥ गोनपूयाचैर्गलयकर्मपहर्गलः ॥ ॥ पद्मादहूलवोधिर्यधसंसावकायथाहनि

॥ स्वर्गिकाग्रनेल ॥ ॥ दहामूलकवायननेलपुस्तकविद्याचयन ॥ नृपकस्तुपदानव्यं वाधिर्यय
 नमोयुध ॥ दहामूलनेल ॥ ॥ कृष्णहिंयववादानुहानकाविह्वसेधवी ॥ युमिकध्वयहनेलव
 कृष्णहिंसाधिन ॥ कृष्णग्रनेल ॥ ॥ विनकसेधववध्व ॥ कृष्णलायधिकागथा ॥ गतयास्या
 शिमीनिच ॥ गध्वगधासकृष्णके ॥ मयुगयकृपादच ॥ नृपकलेविद्योविन ॥ वाधिर्यकध्वनादध्व
 वावागुवयाहनि ॥ मयुनाग्रनेल ॥ ॥ सोवीनरुकाहुकमाहुर्गमासेधानसेयुर्गलेनेध्वय
 कानेलेकृष्णकाहिसेध्व ॥ गल्ह्यथा ॥ कर्ह्येनगायनासे ॥ ॥ ॥ मयुचक ॥ योत्वनि ॥ कृष्णस्यय
 लायुकागि ॥ गुगुल ॥ मध्व ॥ ध्वनेसमलग ॥ पुकाचिकेन ॥ कस्तसथने ॥ कस्तवाधिरवायनागेश्व

१२१

व्याल ॥ कृष्णस्यपतीसचूर्ण ॥ कस्तसथंठन ॥ कर्ह्येनलनाहा ॥ ॥ मस्त ॥ वलवगहल ॥ कर्ह्येन
 पयंत् ॥ कर्ह्येनलनाहायनि ॥ ॥ मुतिजमृतिपुत्र ॥ योषयीत्वाकर्ह्येन ॥ कर्ह्येनयुमिकविनस्य
 नि ॥ ॥ कृष्ण ॥ कृष्णहिं ॥ वच ॥ दवदान ॥ हिंयु ॥ संधव ॥ नेलयचन ॥ कर्ह्येनयुन ॥ वाधिर्यनाहा
 यम ॥ ॥ व्यालसि ॥ दवदान ॥ सि ॥ ध्वनेदियाव ॥ लषसायनकनयोव ॥ दोयके ॥ निवासचके ॥ का
 लसेथाय ॥ कस्तसथंठन ॥ कर्ह्येनलनाहा ॥ ॥

॥ ॥ कृष्णिकर्ह्येनागयाचिकिस्मात् ॥ ॥ ॥

१ मथना ह्यभोग्यानिदान ॥
चपक्षि यमं धृष्यमिथेवनास
हन्वावस्यसुसपीनसन ॥ ७
लमथध्यानं क्नासेनं क्नुगुनं
नायधाय ॥ ॥ दाः खे वि
स्यमसीलधस्तु ॥ नीलनिबूनि
एवदनिभोग ॥ ७ ॥ नायन



॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नवविंशो गन्धर्वः साह्यः कन्द्यः
क्रास्यः कुक्षुः धात्रीयः गर्द
सुवालमनायीव ॥ ध्वनीनस
दधेगल गालमूलमूर्च्छिताय
मुखनाभिका लोमिन्मृनिनस्य
विकालयादावंगलस्यैक

२२८

यास्तु व्याख्यातवत् सवल नमसास्यं कृणुन क्रामनं ध्यानात्मयुक्तिनस्यधिया॥ ॥क्रा
याइवन्येककुवलसो नासिकायाकेधाय॥ ॥ध्वलकुचवल्गुनासात्रोधायःक्रासयानाय
॥ ॥गुणितासानोगनिदानं॥
पाठदिनजनीमूर्धापियलीजानियन्नुवेष्टादत्याचुर्लसंसिद्धनेत्यपक्वेनुयानस॥ पाठयेतेल॥
नकाकवीनपूर्वाशाखाभिनमेस्त्रिकायाश्चान्तं ४ समं सुते लना ४ ॥ ४ ॥ ना ४ ॥ नंद ४ ॥ नेककनवीलेनेलगा
॥ ॥ कलिहिरिमुमनिचलोक्रासन सक हर्ष ॥ कक्षाप्रसिद्धरुद्रं मवयपी यहास्यते ॥ नेलेलाम्
उसूयक कट्टेल पिपाचयन्। त्रापीनस्पतीनस समन चिनिगयनं ॥ कलिहिरिदिनं ॥

वासानिम्बपठालानियर्षनरुलणीचव्यदार्थम् रिहिकाणीलइलालहा विक्ककंशायनिकावन्द
 न्द॥ सय्यि॥ ४ सिद्धे सखा दुहाये विहनिद्याहा नीललादिबू ल्यग्योखकनविहधीवृणनूतासूकसूच
 ववङ्गने ॥ ७ ॥ ग्रादहा निम्ब यालउवमि खकन सदनरुल थक्कदासि सिपि मिचकिसि
 वान थगिससरागका० दार्थ उाधेनशाय कट्टक उगुहा इलालरु लिकेठ ग्यमाल हा
 नकचन्दन थगिउाधेनशायस्यत्वनक थलवन्नगव झासयोद्योधिनाहा वासादि ॥
 धगिकट्टिहलारिकठकोलीगमीसयक्कनकठालवगेनियसू चूर्णिपिवत्सगिगिनहा रुलनहिक्
 कसादिवागक रुकान्नीपीनसू ॥ धगिदि ॥ ७ ॥ कक्कटासि विक्क विहला लिकठगिगि हा

२२९

गि पुष्कगामूलकानाचि थनचूर्णयादं धाउलरुसहास्य स्वठकं झासठठि रधाउनायनागा ॥
 चव्यासवत्सककट्ट कर्कगालिसजीनक उगुमदरुने४समासचूर्णगुळयमेदिनं लिङ्गगन्धियूकवेधय्य
 पीनसूकहोनूकान्त्रिकेयसू ॥ ७ ॥ सिपि संस्य कूटवीडा विक्क थललस्य गालिस जीन वंसनाच
 न चिगक लवठल्वच सूकम्याल पागक थगिसेमरागचून्नसोदं ससह्यल ह्यवन्नचिमदसे पीन
 सनायनागा ॥

॥ ॥ ग्निनासागचिकित्सा ॥ ॥ ॥ ॥

हस्तधनुनागनिधाना ॥
 न्यसेतुर्विषयायुगलायुगला
 वागयिकुलस्यनः हिनः मिखा
 जायनयेनः कृपयः मिखास
 ॥ ॥ मिखास्यायीवः यव
 ध्ववागहिस्यन्दधाय ॥
 वः ध्वविल्लमयीवः यव ॥



वागालिकाकलानकाः दहिस्य
 नः सुर्वनगामेयाकर्त्ता ॥ ७ ॥
 यात्रीयसः ध्वयगायुकात्रव
 नानाव्याधिकायनपीवरुना
 उगनीवः ध्वविरवाकयवः
 कृपयीवः ध्विन्दवथ्यं देनी
 ध्वयिकुहिस्यन्दया ॥ ॥

१३०

मिषाग्यायीवः मनीवचासयीवः ध्वविल्लसमहायीवः ध्वकरुहिस्यन्दधाय ॥ मिषानध्वविद्याक
 सुहायीवः मिषाकाकयः पिकुयालकृष्टार्थं देनीवः ध्वनकाहिस्यन्दधाय ॥ उत्पार्थनव्ववा न्य
 र्थः नेननिर्मथ्यनः सुधा ॥ सिनसाकाध्वगन्धियादधिमन्कस्यलकृष्टार्थं ॥ ७ ॥ नवमानः मिषाल्वचव्याक
 र्थस्यायीवः मिषाकोटश्याथ्यस्यायीवः ध्वयानामसिनसाध्विमन्कसहनध्वलकृष्टार्थं ॥ ॥ हन्या
 दहिस्यन्दधायः सफनाजदधीमन्कात्रकृष्टार्थं सफनाजाः षट्नागावामिकासां निहन्त्यामिथ्यावात्रार्थकिक
 सधनवचः ॥ ७ ॥ मिषामायीवः ध्वयगायः कृपयानः हिनजायनयेयां कृपयानः वागधिकयाः ननानमिषामा
 यीवः पिकुगधिमन्कया ॥ ध्वनेलकृष्टार्थनध्वयाध्वनविमन्कधाय ॥ ॥ वन्नाधायः मियनिया

नाय॥ ॥ शुक्ररागनकविन्दसूयूनसानिगन्तुर्वं॥ ७ ॥ भायीज्यालस-काङ्कटिववल्ग-सूर्यन
धाय-हिनजायनय॥ शुक्राधाय-भायुजलसववल्गभाय॥ ॥ कृष्णलसिगविन्द-शुक्रमिथ्या
लसलसकं॥ ७ ॥ हाकूजलस-भायुङ्कटिववल्ग-शुक्राधाय॥ लसलसजायनया॥ कृष्णोधाय-
हाकूजलयानाय॥ ॥ दक्षिणाधाय-मूलजलयानाय॥ सन्धिनाधाय॥ मिहनायाभाय॥ वरुण
गंधाय-मिथ्याभाययास्व॥ ॥ ॐ ॥ ॥ मधुचक्रभायविक्लिता॥ ॥ नीलिनगिह
लायकीहाङ्कनारुद्रमस्तकापीकृष्णागाइमेनासकानकेरिष्यन्दनाशनं॥ ॥ द्वादहाङ्कनीगकी
वीर्यसूवीर्यसूर्यइश्वरिय्यलीयश्मनिच। नवयकारिगघनसूचसुदादहाथाशनइससह

239

[illegible]

232

[illegible]

कश्चिन्निपूः गंगलायः धर्मसमरागनस्यः इवः चकनषूढः क्रासस्यधर्ः मिवायायाधिनागः ॥ हयउ
 मंस इव हयउ मंस र नवलमंस १ धसनायामतिनयावः वक्रिनियास्यः बालावः मिखासवालः रवविहावः मि
 खास्याकनागः ॥ स्यध्माः गुल्वाउः वूर्ध्वायादः खंधसनयावः धलसवालावः भायूकायलसः यालवयह
 यावः मिवास्याकनागः ॥ हन्त्या ईनसर्कनायासरुनः नकोन्धनागसकृताकृष्णाशत्रसा प्रनयाषय
 नंचयिन्नगंयिः समूर्कमधुनावउर्क ॥ ७ ॥ साखलः समूडहनः धननानमिखासवालः सनिकानात्रा
 वः मिखाकादूः खटिलूवनागः ॥ पिथलीः सासखियागीसः बालावमिखासवालः सनिकानयात्राव
 ॥ ॥ नसा प्रनः चिकदूः नस्यः मिखासवालः पिवउहावया ॥ ॥ खर्दुमाक्रिकः कस्तिननस्यः

२३३

मिखासवालः यिलिमीनयावः षूतिलूवयाहिठ ॥ ॥ यूषाकृताकृत्तसिनादधिहृतागंखसिंधूर्कगर्विकः शिना
 मनिवेडासमासेठयिष्टे सुमाक्रिकनसनक्रियर्यः हन्त्यामकावनिमिलार्शनवत्रागन ॥ ७ ॥ यूषकाशीसः नसा प्र
 नः साखलः समूडहनः शंखः सन्ध्याकः धनः मनसीनः मनीचः धर्मसमरागनस्यः वूर्ध्वायादः कस्तिठक्रास्यः
 मिखासवालः समखलिलुआयाः निमिलनागनागः ॥ मूलाशीत्रलजाववाः समनीचसिंधूर्कवंकदूरुंदविठुक्त
 कः शंखहननललुकालान्सायंजन ॥ गुल्यवूर्ध्वायादः विनिहिगननांजनः शंसंगकलुममनिः नकृत्राजनिमिलपिलो
 यदहषूवा ॥ ७ ॥ कसनीः उल्लहायावृन्नवहामनयः स्यध्माः कठवसिक्कवः मिचकिसिं निलाधूनिः नारिगंखः समूडह
 नः कृतामासिः मूर्धुलीः नसा प्रनः धर्मसमरागः कस्तिनवालावः रकुसगस्यः मिखासवालः मिखायायाधिसमस

लावरा॥ मस्तुदि॥ ॥ मंजिष्टामधूकान्यत्रादपि कश्चल्वकवालात्राचन समासिचन्दनगंधव्यूहं गिनिमृकालिगंधा
प्रश्नेष्टासंधिगंधवल्समं जनमिदं गंधं सदा चक्षुषकं शुद्धं दमलायसानिगन्धपिस्तुमधुकायहं ॥ ७ ॥ मनधिः वृष्टिमि
दि उशालः समुद्रश्च लवठस्त्वच उल्लहा एमलाचन जंठामासि नकचन्दन नारिगंधं व्यागक व्यागधूलु गा
लिस्तु बूषकागिस्तु ध्वनें समलगनस्य मिखासवाल मिखाया व्याधिसमस्तु लावरा॥ मंजिष्टादि॥ ॥ जिनिस्त्वानद्व २३४
ल १०० यूवाकग्वत् १०० पिप्यलिग्वत् १०० मन्त्रवग्वत् १०० ध्वनें लवस्त्वच कायभात्राया इडस चालाव मिखासवाल
मिषाश्च नवस चासस्तु त्वस्त्वच वथस्त्वच लावरा॥ ॥ लवठ कपूल षयत्रिया गंधवस्त्वान साव ध्वने
समलगयादं सिजलरुमुस गंधश्च नद्वय मगच्छायकं जनिमाधनि लवतिन मर्दनयाय कंठारुमुस

मृद्वनवद्धि वसुवद्धि समस्तमिवास्या कनाशा ॥ ॥ न्यासाग्नमूलं काष्ठिकेन पथयन्त्वा गां वराज्जनमद्यन् रं
षमृद्वयन् चक्रागमयहन्नि ॥ ॥ हनतु वृन् संध्रं तसां ज्ञेन समलगयादं नियाव मिथं दं समस्तनिमिलना
यलावरा ॥ ॥ हनतु निम्बयन् मन्त्रं यिपिप्रिष्ठं विवृणुते वदतु शंखं विठिं कूटं मूकं स्यन्धं चिन्तकं च
तु समुद्रं हनन् ध्वनं समलगं चालं सवानं नयं मिवास्वाले चालकयामिवास्यालं दिवले काउसं ॥ किलानी सचू
लं यटलनाघूसा कसिसचूलं र्थनं सकलना समर्षलस ॥ सीमनाजनी सचालं मिवाकादूसा यालूनी सचालं समष
ठिलवसा कत्रिलनी सचालं मिषाकथासा कत्रिललं रवसाचालं मिषाचासुस स्वधिसंनवा ग्वमूगसचालं रववि
हालं ध्वनं नायकायकात्रसहिद ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मथनित्रागयालकृष्णनिदाना ॥
 स्फुरिशासन्नियोगनत्रकनकयनाश्चकिमि
 वागपिरुहस्रध्वस्वगानसन्नियोगन
 केन ॥ ॥ सूर्यावर्कद्विद्वयाष्टा
 त्रसात्रुश्चरुवनिःश्रित्याहिसिचागिमा
 न्दस्याकः श्रवध्वनयकात्रन ॥ क्षान्तिमिमा
 नवमानं चान्नसस्याकवागया ॥ ॥



शिवागमसुजायनं वागपिरुकर
 रुथा ॥ ७ ॥ मण्डियात्रायजायत्रय
 हिनजायत्रयाः कयनः किमिया
 स्वेकनमर्थववायस्यात्तिमिर्गणि
 नी ॥ ७ ॥ सूर्यावर्कधायवच्छिमा
 नधधनः मान्दसविकात्रश्यावः
 मिनदहलपार्थदनः स्याकध्वनं

२३५

पिरुया ॥ ॥ ज्ञानयीवः मिहामनिवः ध्वनं ह्रस्वया ॥ ॥ नानालकृष्णनमान्दस्याकः ध्वनं शिदाः श्रवया ॥ ॥
 हिनजायत्रयायालकृष्णपिरुयार्थदनिवः ध्वनं नकया ॥ ॥ कूयकात्रनमलावः ध्वनं इवलय ॥ ॥ च्याचाठ
 सूर्यार्थमान्दस्याकः लंरवर्थः हिर्यः क्रासनवयीवः ध्वनं किमिया ॥ ॥ सूर्यमालकावः हनिस्पायीवः मिद्रुसि
 स्रगथसूर्यमालः मूर्ध्निस्पायीवः सूर्यविनकावः उसासदयूवः ध्वनं लकृष्णः शिदाखनजायत्रयः ध्वनानामसूर्याव
 रुधया ॥ ॥ कृष्णमान्दस्याकः श्रुनरुयाथस्याकः ध्वनं लमभाठस्याकः ध्वनं इवलय ॥ ॥ शिवनागधायः माठ
 स्याकत्राय ॥ ॥ निमिनित्रागनिदान ॥ ॥ ॥ ॥ मथडाश्रुकमथथयाया ॥ ॥ शान्तिवास्यलकृष्णनि
 मधूकं चाम्पयविना सूर्यमालयसूर्यावर्कद्विद्वयाष्टा ॥ शान्तिवादि ॥ ॥ ससर्कनं कूकममार्थं चर्गः सुनस्यविद्व

२३१

[illegible]

कमलासियाखालाकागनिल्वू दियवपायमाउस्याकनाभा ॥ वलसियामदिधलसकालावनकंमूक
 भूलनाभा ॥ कर्णवीनलखनदिस्यपायमाउस्याकलावख ॥ मत्रवग्वउ ३ र्थहलीयाहादिस्य
 मानकंसनिकानायालावख ॥ नस्यविदधमकुतनागत्रमवाससंधर्वनागधिकासथवाद्याहस्यम
 न्याहुमूवाक्युखागिप्राकिर्णखधवनामयषू ॥ ७ ॥ वाकू ॥ छठिनस्यसंधापियलीकाठंजास
 सथर्कंद्याप्रायसमूखप्रायसहनसुसुलाहानयखप्रागसगिप्राप्रायसकासस्याकसकास
 धोनस्याकसगलनर्थयाप्रायसमसुनागयाकख ॥ ०० निगिप्राकचिकित्साकमी ॥
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ धनत्रगसात्रयख ॥ चभकनहासाइसनेस्यलनकंनगसात्रनागयाक ॥ ॥

२३१

पराशरना

मथमष्टगदलयालकहनिदाना ॥
 प्रउदप्रवदनि ॥ ममस्यपिच्छयुगिर्मसया
 ल्यापिरुनवाननसन्नियाननध्व
 नरुवखजाया ॥ मममथ्यथमनामायी
 लकहाल्ल्यानजायत्रयूमय ॥
 करिवगपिरुन ॥ ७ ॥ नयीवउवा
 कावपिरुवलप्राठंजायत्रया ॥



मरुतपिरुनिलसन्निधानेचतुर्थका
 लूपनाकनाययगिर्मकहात्र ॥ ७ ॥
 यनायकात्रनत्रकमसात्रमिसायाक
 ववाउंदासिलानिथ्यदनराध्वन
 सपिरुनीलागीनत्रकमूर्धपिरुनिय
 हाकदिकाकधपिरुनविकालया
 नूकानूकसूनीलमत्यत्रवागधिवाना

स्थितिनादकारं ॥ ७ ॥ कृशायीव हि क्रादयिव पियानजायीव च लायश्चाननविकानयादाव वागयाकेन लासिला
 मिथ्यं दन् ध्वनं वागनविकानशस्यजायत्रया ॥ ॥ सुक्रादसर्पिर्हनीमात्रवर्णं मर्कस्य कार्ग कनयं दिनाषा ॥ ७
 कक्षिथं धलथं रुद्रक्षत्रदियार्थं सत्रथं सिद्धं यानथं ध्वसन्नियाननजायत्रया ॥ ध्वसन्साधयत् हानिनक्षत्राया ध्वसन्
 सुवर्णलयायमनेव ध्वसन्नियाननजायत्रया ॥ ॥ यश्च सुष्ठु साधयत् निगह्ना नगशकुर्वन्निहिषद्विनीत्मा ॥ ७
 ध्वकामायकात्रवर्णायास्यैवलत्राक गोयूत्रकक्षयमसाधयत् ॥ ॥ माहिनीपिकदाहर्हि यश्च प्राणान्वन्धिवा नैवा
 निवहन्नात्यैर्माकृवन्तुर्द्वमादिहान् ॥ ७ ॥ लसत् शक्यालक्षाला उा गवत्रगसात्रया ध्वसन्नीव कृशयीव काद्रनर्थमदी
 कवयमश्वं नवनवयमश्वं नवमानं कार्यमद्वं लसत् ववल्गध्वं द्वावर्धयत् ॥ ॥ सः साष्ट कुनिर्मज्जये

२३७

म २
 जं दालाकात्रहमयमी ॥ गदार्कचस्यर्गसन्नि ॥ जश्चायूनविप्रकन ॥ ७ ॥ सुसुया हिथं मूनिक्काद् उथं ददयत् ला
 हायानिथ्यं दनं द ॥ लसत् लसत् रुवल्गशत्रसा म्बवादायद्ववर्धवा स्यैव दस्य लसत् रुवर्धय वायानवर्धसाहि
 प्रायजावर्धय ॥ मूष्टयद्वधय नकसात्रमिसायाहिनाया ॥ आनिस्कन्दधय ॥ सिद्धं योऽउथं रव ॥ ॥
 नकसहिको दयीव स्थितानमावाकादयिव प्यनस्यायीव ध्वयानामगह्याठधय ॥ ॥ रुसनजा
 निर्लस रुयनिर्लसादाव आनिस्यायीव प्यनस्यायी ॥ ॥ रुसन म्बवावाकाधय नाउनयकं पिधिद
 ह्याउ ॥ ध्वयायनस नानायकात्रन आनिस्वयत्तलपाउ ॥ मवाकदयमद्वस्यं वदिता रुवम्बवानि
 सियीव स्थितानमामसियू ॥ ॥ ध्वयानाममूढगहधय ॥ ॥ वायूश्च कूपिर्नकूर्यात्स प्राध्वनूधि

नचमहायाः कृष्णित्रावस्त्रिगुलं मर्कलं सज्जिनं ॥ ७ ॥ हसकायवयान् हसनयं दावः थवथसनाउ नः
 ववः हि ॥ मवावुआक्रयानूलाउः माउः चसः स्यायूवः थयानाममर्कनगुलधाय ॥ ॥ यथीवीय
 निगंवसः जानीपीठनमिष्यन ॥ मयसं स्यजथवायूः लायसं नकुनक्रिया ॥ ७ ॥ वंसनाउ हास्यं आलंदा
 आः मवावावउर्नः जानिकयथानकमदयास ॥ दन्दिशर्मदमनयासः जानिनहसइहावदावः थवहस
 नविकात्रहस्यं प्रायजायत्रयत्रः हसइहायमदयाउयायः वषुनिखः दन्दिशर्मदमनयानः जानिसहसः इहा
 यमशना ॥ ॥ कृष्णकृष्णिगुलसाधमनः यविकुनगजायनं ॥ मजमद्वानकं यः पियासायुगुगुगुना ॥ ७
 ॥ नूलाउः चसः स्यायूवः थानमममममयीवः जानिलंदहस्येसलयावः थथजायत्रयली ॥ कृष्णारया

२३२

कथ्यस्यायीवः कनययीवः क्रीनाकः व्यासवायीवः कृष्णानयीउ ॥ ॥ हसथगुलानिसानचः गुनीकात्रागल
 कृष्णामिथमयवात्रासुं कृष्णाविषमाजीर्णराजने ॥ ७ ॥ लिः लाः मन्निउः स्यायीउः यनकदयीउः ॥
 थमनगुनिकात्राययालकृष्णरुयीउ ॥ मरिणमयत्रार्थः महाकृष्णः मूजीर्णसः खवर्नमखग्वनयासविका
 यरुस्यगुनिकात्रायजायत्रयला ॥ ॥ कृष्णसाधमहिमनामः क्रीणामास्यवलाग्निना ॥ नंसर्वगुनिकानासाः
 प्रागमहवायूपदवा ॥ ७ ॥ दयकथकृष्णः नायथसित्रसाः वलमदानसाः मृगिमदानसा ॥ थत्रायसं कृ
 जायत्रययनं उः गुनिकात्रायधायः कृउपदजायत्रयवत्रसाः गुनिकाधायः मवावाउः सजायत्रयूत्रायः थ
 नगुनीकात्रायधाय ॥ ॥ गृणिमृग्यत्रागयाः गुनीकात्रागयालकृष्णनिदानं ॥ ॥ ॐ ॥ ॥

मृगशृङ्गयत्रयाचिकित्साकर्म ॥ ॥ दध्नासीवच्चलाजीमधूकनीलमूत्रयीपिवन्नुकाद्यूर्णनात्रीवागशृङ्गयत्रयी
 लिगा ॥ ॥ वदीत्रमधूकयष्टीगधुत्रीयकभास्यासमधुनजगिसिन्नायापुष्टसाक्षोदकन ॥ पीवनीसज्जदिनात्रीस
 न्नियानामनाग्नीमृगशृङ्गदलनिहनिवोगमनित्राक्षा ॥ ॥ पाण्डुजम्बायमध्यागिनाहृदयसाङ्गनीमृगयष्टीकीमा
 चत्रसःसमंगयद्यकंगल ॥ वाहिकामिविषामूर्खविल्यलाधुसरात्रिकाकडूलमत्रिचण्डिकिमृदिकात्रकचन्दन २४०
 ॥ कर्द्वगवत्सकाइननाक्षत्रकीमधूकाङ्गनी ॥ पूष्यलाहृद्युत्पानिष्टुक्कडूलनिकात्रयन् ॥ गानिकाडुनयूक्या
 ययर्कलुनाम्बना ॥ मृगशृङ्गलागिसात्रयूत्रकीयशायविगतादाःखागनुकृतायत्रवानाकोष्ठनागयन्नायानि
 दावस्वनीलसपीनक ॥ स्त्रीदाम्स्यावाभूयच्चयसकनियवर्कयन् ॥ चूर्णपूष्यानूगन्नामहिगच्छययूक्तिर् ॥ पूष्या

नृगचूर्ण ॥ ॥ मृगशृङ्गकवल्कलयस्कृतायाहृकवियाविर्माचतुर्लोगवखानिष्टुकषायमवतात्रयन् ॥ गधुलाम्ब
 लज्जालीलघुगुल्फयदाययन् ॥ जीवकस्यत्रसंख्यापिकंभात्राजोरवस्तथाजीवनीयापियेभ्यरूल्लेखे ४ सत्रस
 ङ्गनेष्टायष्टाकाहमकमूर्लचमिर्दिकाचंगनावत्रिगधुत्रीयकमूर्लचकल्कत्रिःपलाहृकेष्टागक्रीत्रा
 यापलान्यष्टीगरुदत्तासमृक्तिर् ॥ पूष्यथालागनसूर्यिःसनेमृद्धाग्निनाययन् ॥ पीनसंगल्लुगहन्यासर्वद
 वसमूर्दवीहाननीलगधमृष्यरुर्नहनिहसनी ॥ कूकीगूलकटिगूलयानिगूलचमृगदलीमदाग्निम
 नूचियालुकषनीष्वासकासिना ॥ मृगयूष्टिकर्त्रघन्यवलवर्णयसादनीययमंगद्वत्रसूर्यिविष्कनायत्रि
 कीर्तिर् ॥ मृगशृङ्गचूर्ण ॥ ॥ मृगशृङ्गकवल्कलयष्टीगधुत्रीयकपियलीत्रकचन्दनशुक्लालाकोलीत्यख

दीलात्यर्ल ॥ न सा ३३ न म धुला म्बू पी व ल्का ड न सं यू र्नी ॥ मू ३४ ग्द ल नि ह न्या म्बू चित्र का ना नू व चि नि ॥ मू ३५ क न
 दि ॥ ॥ मू ३६ म सि नि य र्हे ना ग्म चि न क ना ग त्रे षा सि द्ध स र्पि य ली वि ष्ठ ॥ स र्पि ॥ ३७ ॥ म ३८ ग्द न ॥ मू ३९ दि
 दृ ग ॥ ॥ कू ४० वी र ॥ य ४१ म के ती स न स्य त्व न ॥ हि क द व जि र्ख ॥ ॥ व दि या ल या हा ॥ प्वा के या ती स नि स्य ॥ त्व न
 के ॥ न क मू सा न ला य र्ख ॥ ॥ ध गि मू ४२ ग्द ल ध य ॥ मि सा या न ग सा न या चि कि त्सा ॥ ॥ ३३ ॥ ॥
 मू ४३ या नि दा ॥ ख चि कि त्सा ॥ ॥ न म वा र्क कि नि कू र्ख ॥ स न्ध वा म न दा नू रि षा ने ला सु सा धि न वा पि ॥ पि चू या नि नू र्जा
 य र्ह ॥ न म य ने ला ॥ या नि गू ल या ॥ ॥ मू ४४ कू र्ख नू थु धं पि य ली क गु ना दि गी ॥ का का ला डी ल का का ली वि
 ३४४ रि ह ला व वा ॥ मे दा ना ग्म वि ष म ना ग्म य द वा नू रि यं गु का ॥ धं ग नि वं ग ना द्वा च द न्की म धू क मू त्य र्नी ॥ मू ४५ मा

२४९

न तिका पि प म्मा दि

ज म हा मे या च न्द न न क च न्द न ॥ ना गि य र्ख गु म क्री त्री ॥ ग र्क ना रि गु क दू ल ॥ स र्ग न क स मे र्ग र्ग घ म य र्ख वि पा च यं नू ॥
 व गु र्गु य न प य सा वि य र्ख म य गि ना ॥ न क गु य र्ख स य न र ल गु ना मु म य द ड ॥ क ल र्वा वा पी क त्या ष क न को गु क म
 क ला ॥ स र्पि य न ल ॥ पी त्वा ली ष नि र्ण वृ षा य न ॥ स न द न्ध म पि व न्ना नी या वा क न्या य र्जा यि नी ॥ या पि वा स्ति न ग ही स्या र्थ
 वा स न्वा य नू ॥ रि ना ॥ ना द र्ग जि न य त्पु र्ण व द वे दा न्नी या न र्ग ॥ नू य ना व न्ध स य न म क न ॥ ग ना य र्ष ॥ ना म्ना ह ल द र्ग ध न
 ला न द्वा र्ग न रा पि र्ग ॥ ३५ ॥ ॥ ॥ स र्क ला जी न क र्ग षी स ना र्ग वे व मा ग धी ॥ न ल सि धू का ल म र्ग गु ठ न व रि का क
 ना ॥ न क वि र्ग म य र्क षा वि का न स र्वा नू र्ख ॥ पी त्वा न र्ग स य ॥ पि य त्या ड नू र्ख ॥ ॥ ३६ ॥ या नि दा ॥ ख चि कि त्सा ॥ ॥
 मू ४६ गु नि का या ॥ ड र्ग क र्म ॥ ॥ पि य ली द व दा नू र्ख ॥ ३७ ॥ मू ४७ क म व वा ॥ मू ४८ यि य ली मू ल ॥ ३८ ॥ वि र्ख क न यं नू

वागिकायेरिकावेवर्षाकासन्नियानिकासूगिकायदुर्वहनिमिह्यासुनिर्यथा॥पीय्यलादि॥ ॥शिकट्टुति
 जगधन्याकैवर्षानियूनागुठमिसानियानिवर्षानिकानात्रिजायासुर्कलसंगका॥पीकट्टुकायवर्ष॥ ॥पिय
 लीयवदात्रुषागलंगजपिय्यला॥विश्वकसंभववेवयिय्यलासुलभंवव॥हृदगीकठकात्रीचवृहतीविल्वयसि
 काशानसुमाजश्रुधन्याकैवर्षालवहायधरक॥सर्वान्यमानिगुहकाश्रकंशृगानिव॥सुखायात्रिगुययानिसु
 मिकात्रागभाकथ॥वागिकायेरिकावेवर्षाकासन्नियानिकासूगिकाकायदुवान्सर्वान्हन्यःपीत्वानभैस
 या॥पिय्यलादिवर्ष॥ ॥जलाकृष्यायमानिवसाजानीकाववीनथा॥नाजाकात्रमजासंभू॥समलगानिवर्षयान्
 पुनागगुठमिसानिसूगिकावमथूपर्ह॥जलादि॥ ॥शिकट्टुयूकनासुर्लजिजीनीसइलालला॥सुलालवयथ्या

२४२

नासमलगानिवर्षयान्॥पुनागगुठमिसानिसूगिकाकागनागनी॥शिकट्टुकाय॥ ॥चत्वारिंशयलाधिकैरुगुठयलग
 नद्वय॥जलडाहवियकय्य॥यथावर्षानिद्विर्ययान्॥गुहायगयलगुठि॥उरुमल्लववर्जिनगयलविंशतिपिय्यलासविर्
 हयलानिवापिय्यलीसुलगाहिस॥चवधन्यकसंभव॥मागिकृष्यकजीत्राणीचगुह्ययलपृथक्॥यवगुकाहवाजानी
 यमानिषत्यलकथा॥त्वक्कैलापद्वंद्ववर्काकात्रयदिषन्॥वागिकान्पेरिकावेवर्षाकासन्नियानिकान्॥शुनि
 कायदुवान्सर्वान्गुलमर्कलसंरुकी॥पूचिमग्निकर्जवर्षाकावर्षविवर्धन॥गुगवदिगुठ॥ ॥सिजलवाच
 लखुमिर्क॥४॥कसाथरुनसा॥धवलखुमिस्यादाव॥क्रमस्यनक॥यामयूर्य॥कलरु॥रुकाशयाउपिकायाउ॥इलाइ
 काउमय॥धनलद्वानसिनाउ॥चलखुमिक्कयनि॥जिनहालव॥७॥इर्थकाव॥सूकानसूयाउ॥धवलखुनि॥साइ

इचलखूमीक्रीकूठ १ नयाउा २ इइसखून ३ पाखउानकाउा ४ थंकायाउा ५ यायूय ६ लखनसल ७ थचलखूमीनंजिन
 शालनं वूर्ध्यादंनियाउा ८ वूकथेल ९ मूर्छा १० यूलानवाकू मूर्छा ११ स १२ थचूनखूदं १३ सूथ १४ वलजिनकं १५ लउनान
 सिउमान १६ कसालखनकं १७ सुनिकात्रायया मूर्मिहिठखा ॥ १८ दउादानू १९ मूर्गुली २० यियलामूली २१ वूठकसूली २२
 कवसिकिउा २३ थनं वूर्ध्याकं यागीसहास्यमानकं २४ सुनिकात्रायनागा ॥ २५ सालथासकता २६ जिनी २७ सुगन्ध २८
 शिकट २९ मूर्मी ३० कजीन ३१ मिथि ३२ सिपि ३३ चिक ३४ कसूली ३५ जिगशाल ३६ लवठ ३७ यकंभन ३८ लसालहन ३९ वयालहा
 गुमिष ४० येलय ४१ इइइ ४२ साखनकून ४३ थनं खूदनकं ४४ सुनिकाया ४५ मूयूद्वि ४६ वलमूर्मिदयू ४७ ममवाननागा
 मूर्मिपिनागा ४८ ल ४९ कन ५० सुनिकायाउयवमाचकू ॥ वृहसोराग्यगुमिरवकुनामथयाइनाख ॥ ॥

२४३

वाल १ निम्बपण २ सचखानयाहा ३ उशूहा ४ नकि ५ नसाकं ६ कूठ ७ जिगशाल ८ कयूमंस ९ मिथ १० मूयामा
 गजहा ११ चिकनयन १२ थनं साखूदं १३ वाय १४ क्रीनयनपीयूया १५ स्याकयाहिठखा ॥ १६ लवठ १७ गुकम्या
 ल १८ हीमत्राज १९ जिजीन २० यष्टिमधू २१ सद्धसमखूठि २२ यथकमंस २३ धामन २४ सायूरकडि २५ साइइयूर २६ लख
 यूर २७ थनं वूठ २८ क्राससथनं २९ मिरवा मूर्मिनंजकन ३० गुमका लिदवसूकमाजीनल ॥ ॥

॥ वृन्तिमूर्ष्ट गदलयागुनिकात्रागयाचिकित्सा ॥

॥ २४० ॥ ॥

मूयसुननागलकूनवाल्नागया
 वादाः श्वेयायसुनोस्त्रीया ॥ यइव्य
 इइदयंरुवः इइमदयंरुवः नाय
 याकेः नानायकाजहाः याल्लय
 हिस् इइसनायजायत्रययंकन
 ध्वमि इइसनायशुआयानाम ॥ सु
 मितायात्राययानाम ॥



निदागा ॥ ॥ सुक्रीनावायइरु
 शानूधिर्नसुननागस्यकल्यण ॥ ७
 नविकानयादाडाः इइयंसुमिस
 काडाः इइसइइरवनयान ॥ लास
 मिसायागइइरवनयान ॥ ॥
 ननायधया ॥ ॥ सुक्रीनागधय
 वालनागधया ॥ वालकम्ववायाके

२४४

नानात्रायजायत्रयिवः सुभयाधुनउयमिज्ञायीवः नायारुतुः सयकेधकख ॥ ॥ निवालनागनिदान ॥ सुननाग
 निदान ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ मूयसुननागयाविकित्सा ॥ ॥ लयाविशालमूलः वनूययणः हनिपीठासुन
 किर्न ॥ ॥ जलपिष्टवनूययणः सद्यमेवृद्धकलया ॥ ॥ रुमसिसलः नूनपायः इइयामलददया ॥ ॥
 कोकतुहाः स्वधिननस्यः पायः इइः यामलददयाः नायीडाख ॥ ॥

॥ ॥ ध्वनसुननायधयामिसायाः इइयात्रायविकित्सा ॥ ॥

नि
 पिप्यलीपिप्यलामूलवयुक्ति यमाचिकाजीत्रकद्वहृत्रिद्वचविउसोवच्चलनथा। ननेत्रथाषर्षः पिष्टं जालना
 लेविपाचयं गात्रामवानहृत्रं वृष्यं कद्वं वद्विदियनं ॥ वज्रकं काष्ठिकं नामं स्त्रीर्षमग्निविवद्वनीमर्कलं मूल
 समनं यनं क्रीत्रारिवर्द्धनं ॥ वज्रकाष्ठिकं ॥ मितायाइइवाधत्रययकं वग्म ॥ ॥ ॐ नि श्रीत्राविवर्द्धनविधि ॥
 ॥ ॐ ॥ मूथवालनागयाउसल ॥ ॥ घनकृष्णनृणां गीर्णं कृष्णकृष्णं तयाजिनं ॥ गिष्ठं वात्रात्रिप्रकागस्वागव
 मियहं ॥ चवठि ॥ ॥ गीर्णं कृष्णं निविषाविचूर्णं लहं विदध्यामधूनाविदध्यामधूनागिष्ठना ॥ कागदत्राकृद्विहि
 नृदिनानां ॥ समाक्रिकाग्ननिविषार्थका ॥ ७ ॥ कर्कटासिं पिप्यली ॥ मूगिनस ॥ कस्तिनवालनकं ॥ वालकया म्वमा ॥ क
 व ॥ वाल ॥ कृष्ण ॥ हनसाकयारिं गव ॥ मूगिनस ॥ कस्तिनवालनकं ॥ कागदत्रा मनागा ॥ मूगिनिविषादिचूर्णं ॥ ॥ लाज
 न

२४५

मूगनिगावासिमधुर्कः ॥ कृष्णचूर्णं गा ॥ वालस्यदयामधूनालहः ॥ सर्वकत्रायहं ॥ लाजादि ॥ ॥ मधूसर्पियुर्गचूर्णं रि
 हलावाषलवर्णं ॥ लीकानि वालस्यं न्याशु गम ॥ थकत्रायहं ॥ मधूनादि ॥ ॥ लवंगपूष्कनं कृष्णकर्कटायी
 सलाचनी ॥ लीकामाक्रिकसंयुक्तं ॥ कागदत्रायहं ॥ लवंगदि ॥ ॥ कद्वलं पूष्कनं गीर्णं कृष्णचमधूनासह
 ॥ कागदत्रायहं ॥ लहः ॥ कद्वलं कृष्णं ॥ वागुहं लहं ॥ ॥ धानकीविल्वधन्याकं लाघुद्वयवात्रकं ॥ ल
 हः ॥ काष्ठं वा लानां क्रीत्रागिस्तानवागजिनं ॥ धानकादि ॥ ॥ जीवंलासर्कनाकायं पीनगुलवात्रिनी ॥ गिष्ठं नका
 गिस्तानप्रं कृद्विद्वानागनी ॥ जीवंनादि ॥ ॥ मूजाजीत्रसमं सूर्यिग्वं ली ॥ घनसाहकं ॥ समं धानकीमाचक
 पिष्ठं लयनसं चर्व ॥ सवाषवात्रिविल्वद्वयपिष्टं ॥ यक्षाग्निगठनं ॥ हकिगुह्यनीसान् यथायथ्युजगनिष्ठं

॥ बालवाङ्मनीयः ॥ ॥ चवाकूटं नथावुक्ति सिद्धार्थकमथापि वा । ॥ भविष्येन्भवत्तव पियली च न मरुम ॥ यध
 यन्मसिद्धमिदं पागव्यं मासं ववा दृढं सुनिःक्रियं मन्त्राः कूमात्रा वृद्धिमान् वन ॥ नपि स्यान्वाननज्ञानिन हनानवमान
 न्वाधनं वक्रमानासां पीवना समरुममलं ॥ मरुममलं यन् ॥ ॥ चन्दनं यय्यटं मरुतु मडाका मजीनक ॥ छटिरयाः
 समरागं लहयं लघूना सह ॥ यल या श्वसदिका चरु घ्रादा हनु मानूचि मरुर्क कर्दिदिदाः खश्च विषमवा नमिषु ॥ कनचंद
 नादि ॥ ॥ लाक्रात्रमं समसिद्धं नलमरुचु रनु दः ॥ नभचन्दन कूटाय वाजिगन्धानि गायुर्न ॥ नगादयानूष श्वाक्षं म
 वीमिका हनेरु रिः ॥ बालानां विननका प्रमथ्यं मद्गुलवर्णकम् ॥ लाक्रा नलं ॥ ॥ दाबहिनिडा कूटजस्य वीजं सिंहाचय
 यी मधूर्कं वरुण्यं ॥ का ० गिरमस्तन्य कूमात्रा दः खे ॥ सर्वांगी सात्रवृच सर्वार्थं ॥ ७ ॥ मिचकिर्तिं ॥ हनति ॥ कूटवीजं ॥

२४६

पूकककिनिः ॥ ह्रीं मिः ॥ का ० दार्यं ॥ मामत्तमकं ॥ बालकया ॥ इइ सां लखाचकं ॥ बाला नी सात्रयार्हि ॥ ॥ विल
 पूय्यानि चमनकी सजलं सलार्धं गजपियलीनां ॥ का ० श्रुलहिमधूना विमिर्धं ॥ बालयथा मनी सात्रवृच ॥ ७
 ॥ कंच बाल ॥ धनिस्वान ॥ गुखा ॥ गजपियली ॥ धनं समराग ॥ ना कूकं का ० दायया ॥ कस्तिन बालनकं ॥ धाउ
 लठानकं ॥ बालानि सात्रयार्हि ॥ ॥ यालूता ॥ पयन्धूमं ॥ पदिया व ॥ गितानकं ॥ किमि मूजी र्दुया ॥ कर्दिया ला
 आख ॥ ॥ विलि सि ॥ ह्रीं मृति ॥ कस्तिन बालनकं ॥ किमि नागा ॥ ॥ साहन ॥ जिनहाल ॥ लवठ ॥ का कलख सहास
 नत्वनकं ॥ यन नाय नागा ॥ ॥ तिरुला चून कस्तिन बालनकं ॥ चिकू वन नागा ॥ ॥ किमि मलुध ॥ २१ ॥ किमी
 ट २५ ॥ किमि नागि २५ ॥ किमि पूर्वदिनागा ॥ ह्रीं ॥ कूक का ० २१ गठि ॥ ॥ ह्रीं ॥ बाल नाग चिकिस्ता ॥ ॥ ॥ ॥

किमि नाग नागा ॥

मूथविषत्रागलक्षनिदान॥ ॥
 नोमूलाद्यात्मकमाद्यास्यायत्रसूर्यादि
 न्यगायकात्रविषयाखडाया॥ हंस
 जावयत्रार्थवविषत्रागत्रयत्रार्थन
 ननानायाकात्रविषनदाहत्रयउ



नकावतु

स्वावत्रंजमस्वद्विविधविषउच्य
 संहवा॥ ७ ॥ थावत्रंजमउध्वन
 हाकावयत्रार्थउविःकादियकास
 यासुकातासुविषत्रागत्रयावया
 यदवया॥ ॥

२४१

रुगिविषत्रागनिदान॥ ॥ ॥

मूथविषत्राविकिसा॥ ॥ वजनीद्यमस्त्रिष्टायकगंगजकंगनः॥ गाताम्वयिष्टे ४ नालय ४ स्यालूताविषत्रय
 ॥ ॥ गहूलियकमूलानिगुरुधूमत्रयेनकी। कीत्रमवद्यमसिद्धसमस्तविषत्रागत्रय॥ गहूलिद्यद्यनं॥
 सोमवल्काव्यकर्हचलगजिकहन्यास्यादिकात्रजहपेगत्रिकलथानवदनविषायहं॥ काकया॥ ॥ गूल
 उल्लवननिस्यायहतिनकाकयाः कूनकाकया॥ ॥ मलिस्वाननकहानाभसयाइइननिस्याय॥
 कासिनकाकया॥ ॥ वद्यालहामत्रयवउइनिदाववायनायनकाकया॥ ॥ विनकाकया॥ नि
 त्रिषयूष्यस्वनसैनरविनः सहसकृत्वा मत्रिचनताद्ये ४ यथाजयदभनयाननाचेवविमाहितानामयि
 सूर्यदंतिना॥ ७ ॥ मालवाकलसिंयागीसुव्यहजनयायुधमीसुध्वनद्वलक्षियालद्रसथालनव

मूयनि सन कं नयनं मूयनि सन च मगच्छि पा ल धनं धनं ना उ गलं ज्ञा स स धनं भव मिषा स मूजन
 उल्यं भव त्वन कं नव विन दा वया मूयं न न वा दया व द्या दया उ ॥ मयूत्र पि रु न तु न ह्यु ली य क
 कं का क ह्यु यू कं य वि च द न ल्यं विषा सि सं स्का व र्जं ज म मा नि सा य द वा र्ण य वि न द ह नि ॥ ७ ॥ श्री स वा
 या हि यू च व क न या हा हा कू मि म यू ध नं स्म रा ग न स्यं त्वन कं च स क्ता दि न वि ष ण या या वि न दा क या
 धा व न र्जं ग म वि ष या हिं ग ॥ ॥ नै ल मि ला नां व ल वं गु उ ॥ श्री र्ज न थ क्क स म भं व यी नं म्ना न क्क मू ग वि ष
 मा ह्यु ह नि स थो र्वा वा यू नि वा गु वृ न्द ॥ ७ ॥ हा म ल ध क न हा म ल न या उ उ वा कू मू क्क या इ उ ध नं स
 स रा ग न या उ त्वन कं स्का व न र्जं ग म या वि ष न द क उ य द व न र्जं द ना वा ॥ मू म ल धू मा म हि वा कू यू

२४८

कं स वी जि ग ल्वा घ न न ह्यु त्रि य कं म मू ग पि ष्ठा क्क ग दा न ह नि वि षा नि स स्का व न र्जं म्ना नि ॥ ७ ॥ मू धा ल
 क हि गु गु लू मू ध ग न्ध ध ल च व क न या हा ध नं ग व मू ग न न स्यं त्वन कं क्का नं द या रु त्र स र्च वि ष ला
 ग ल धं म हा व स्का व न र्जं ग म वि ष ना वा ॥ ॥ मां सी म वा ल का नि ज ल ज ल द सि ला ना व ना य द्र कं नी
 य क्का च लु म ह त्रि दा ग द सि न य लि ना मू ल ना य द्र क ला उ ल्या र्ण ना द रा म म्भ उ त्रि ह कू रु मा य कू य ४ स र्व
 रोग म कृ त्वा ल श्री वि या च क न वि ष म ग दा ध नि च न्द्रा द या त्वा न ॥ ७ ॥ ज ठा मा सी उ द्र ह हं ल ध ल
 न म न च वा न क सू म न धि त्र म ला च न हा सिं थ का द न कि धा ल मं स ह न ति कू ठ सि न स्वा न
 या थु कू म्भ म न धि च ला य र्ण गु ध नं उ ह्ना ना या दं हा ग नू य कं ना न ध नं स्म रा ग न स्यं म्

२४२

[illegible]

कूउर सावलई १ थनं उा हाउा उा लाउा रिंता हउा सथं हा कूता उा हउा नना कथाय गउा सथं
 नय पिता हनं उा दकिना नं उा थनं नय थकाया उा थउा हननं वयसलिनं नय वरुं रिनकं
 निवाधिशयीव ॥ नय वरुं कन ॥ ॥ यकिउा मसे नवपियली रिं ४ ससकं नासि हलाय यूका ॥ नय यू ४ प
 दी वरुं नम्रीति मं धम हवं ऊा नावाधिविमावमीया ॥ ७ ॥ वरुं सीमिति वं सलावन मं धम पियली सावल
 रिं हला थनं सहाग नय वरुं नकं ॥ नय वरुं नय वरुं वरुं ऊा नावाधिविमावमीया ॥ ॥ वरुं स्व
 उं हामल कामाना लिं हला सथं मधुनाय यूका वरुं कलि ४ नमनिविकान ४ रव समागनं जीवनि कवुं कं
 नं ॥ सहाक यूग उा ॥ ७ ॥ लमखालय वरुं वरुं उा उा थनं वरुं नय वरुं वरुं कलि न उा हननं ना

२५०

नय यू उा ४ रव व्याधिममान लयू उा संधय मरुवा ॥ निम्वस्य नय कृति हल मवन नय निमिं कविना यथा वन
 मासे नम ली नय नय या र्क ऊा ग हनं यनिर्ग निहनि ॥ ७ ॥ निम्वविकन क्रास सथं हन लयू उा सहाक यू
 जानय इ उा थल उा गुनय नं वा ॥ नकचनन वरुं सीमिति कलवन रिं हला नी लायन पियं गु
 वउसि प्राव गु उा गुलि वरुं वरुं नं नरुं हल मं सहाग धम सहाग सा कू उा ३ ही मना ऊा रिं १ लखई
 ववना नय नय म् ससि नि लिं काल कठ संधयाय स सा वाक सय थमान माउ स नं लन लयू व स म
 लयू हाक यू हाव स म हाउा वाधनयू नं ऊा कन नोद स नयू निना ग्या सा या गु म थनं रव व ॥ ॥
 वरुं निन सायन विधि चिकित्सा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ नय वरुं कन वरुं विधि ॥ ॥ लम कू न ४ कू न कन न

मूलीवाननीनागवलावः चूर्णमिदं ययस्तानिमित्तियः यस्य गुरुमदागतमस्ती ॥ ७ ॥ लमवालूः कयलिकुर्ली
 नयूः मूलिनहाः सुसमिहः यूः लमत्रु कथूलः वदियालहाः ध्वनं चूनयादः इइसंशस्यं चनेः गगस्तीवयु
 हांगजिवरव ॥ मधूकमधूकानां च घृणं नययनिहन्ः कीनमनूयथा जलनयं नयम्वध्मापुसं कययमाठ
 दानागमगंगमगकुनि ॥ ७ ॥ धृष्टिमीठः चूनका ० दयाया नीसः संस्माः धृष्टुजवः पियलीः मदनरुलः ध्व
 नं चूननहाया ० धात्रः कलिकीदं स्वदः धात्रु कयमइ ० गगस्तीवयु हांगरुयीव ॥ सुसमियाह
 धामवलयाः वानः नया ० लयनयाय ० उडीला हदधु हवगि ॥ धृष्टिमीठिकव ० चूनयादः धेलः क
 लिनः बालः सुन्वः ध्ववः इइदाया लंनयः ध्वसं वलय ० उन्दिमहावलवनरुयूवरव ॥ मूवगंधि

२५१

याहाः वहाः कूटः बालमंसः याकळ कीनियासः कवच्छि १ धमनयः सहागः हामूलः सा कूठ १ इइहं १
 लखहं १ सधयाय ससावाकसंयः ध्वसायागुतः गनहीनयाः गनवाधनय ० यवः उन्दिवाधनय ० यी
 वः कूसनाउ यटाग्वमवूकः शानमेलनरूपं रिद ॥ मालक्रयाः बालाउः मसालक्रयाः नकचन्द
 नः याकळ कीनिः सं यठकाद्राः गजपियलीः ध्वनं नया ० मंसया लवहीनः उमलः लयनयायः मू
 वगधि ० मंसयाखी ० नः ध्वनं गानवासनीः ध्वनलं यनयायः कूसद्रलः उनंगउयमा हवगि ० गुहा
 ॥ पुनामकूट संकून २ धेल २ हामलवंकनय १ कलिय १ पुनाम ० १ नायूसाखनय १ लवेलव
 ० १ याटकः साहनः गिकदूः जीनिः गुकं मालः नूयकं गानः पियलामूलः पलंकं गानः सिपिः जिनहात्रः

लवठ. नात्र विन. सि घाटक. वद्यक सुनि. उद्धान. नात्र मूल. धनं कृष १ धनं न. न. या क वूठ न के. वा
 जिक न राया हिंसा ॥ ॥ ॐ निवाजिक न रा विवि वि किंसा ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ मूथ धन काय विधि ॥ ॥ य
 ही कषाय. लवण गुयूक. कलि मं कृषा हल कल्क मिश्रं. सका उभं न द्व मर्हा यथा र्क. प्रा हास्य क हल हा व दाम मयू
 ष ॥ ७ ॥ ॐ छिमीदि. का ० दा या नी स. स. ॐ. व हा. ॐ नृज व. यि यली. ह द न ह ल. धनं नृन न रा स. ल व न
 क. धन काय विधि ॥ ॥ ह निग की हि ४ क ठि न. सूचि न ह न्य मि कृष वि उ नृ र्क यूक. वि नं हा नृ व क र्क ल
 मिश्रं. वि नं र्क य या स म थ म य धुं. ॥ ७ ॥ ह न उ नृ न का ० दा या नी स. स्व र्क. द नि. व न क हा. यि यली. वं उ वि
 म ल उ चै क न न. हा स. ल व न के. का न काय विधि ॥ ॥ ॐ नि धन काय ॥ का न काय विधि ॥ ॥ ॐ ॥ ॥

२५२

व३

लि २
 मूथ जल काम द उा या वि किंसा ॥ ॥ ना म ना ० ह ल गु या. म ग ल ना य व १ स. ली व ला मा न य क य
 ना स न र्क ल व दाम सका उ. स यि गु उ यूषा का घ न विल कृ ह हं ती. कृषा व चा क लि नां व सि का मि र्क. इ
 ग्ध मू र सहि ना. वा ना म थ हा हि नं ॥ ७ ॥ ॐ गु मा उ हा. म उ न ह ल. गु उ गु. शि ह ला. वं हा. व दि या न
 हा. ला या मि. ध न उा ह का ० दा स. न ल. ध उा ह न. ना य उा ल. हा म ल चै क न. स नृ. क सि. ध न
 उा न न. यूषा. मूक. कूठ. य र्क गु. यि यली. वं. ध न ना य क्का दा व. ला नि. स्व र्क. इ इ. ल म मि. ध
 न ना य न. काल क. य न धा ल स. इ थ न्य. उ कि क्का ला उा. का न क चै य. य न धा ल स. उ कि इ क्का या
 व. क प मि र्क. य न स ल र्थ. ज ल काम द उा या हिं ॥ ॥ न र्क ल व ला का धि न क ल मू ग नि ग ह सि ह य

२१३

रत्नसिंहावक्रादिनीयक्राद्धं स्वतवाराहकल्यं वेधनामातप्रिस्वावां सत्यमयुजयहनाकाधियत्वं मनूषं सत्यमदायनाम
माकलोयुजयधमचनहाजम्वादीयं रक्तवर्षं रक्तवर्षं गंगधवां उरुप्रनिकर्णं वरुचवस्थानं नार्यावरुयूस्थरुमी वा
लुगुकिर्णं नवालमलुलं श्रीरुस्वयं रुद्रव्यस्थानं यद्युयगिर्मिधनं नार्यावलाकिर्णं नवस्यविजयनाहं महिनाहि
गी सत्यनद्यायां पूर्वकूलं यश्चनद्यायां उरुप्रकूलं पलामत्यायां पश्चिमकूलं वागमत्यायां दक्षिनकूलं विक्रमकूलं महि क
मात्रनिवासिनमध्यं ललितयदनमाहानगनाधिवगिरुपां स्वसिंहागिर्विनाजवक्रवृजमहिनननायाल्ल्यादि विविधविन्द
वलिविनाजमानमानोक्तनयालं स्वतवाराहकल्यं वेधनामातप्रिस्वावां सत्यमयुजयहनाकाधियत्वं मनूषं सत्यमदायनाम
लीकूनस्यविजयनाहं वरुचवस्थानं नार्यावरुयूस्थरुमी वा

ब्रह्मसूत्रं कन्यानाम् गते सास्त्रेन कुरुते नानि गते वदन्ति ॥ १ ॥
 नावस्ति नवक्रवर्गसिद्धिर्गुणनयनीमिश्रसम्पत्तिः ॥ २ ॥
 तुल्यनागलक्षणनिदानादिनथादिकित्सादि ॥ ३ ॥
 गणिका यत्ननयनियालक्षण ॥ ४ ॥
 संस्तुतं ॥ ०० ॥ एतदयमसंस्तुतं यदयमसंस्तुतं ॥ ५ ॥
 कवासीस्युर्नयाकारता ॥ ६ ॥
 नाज्जिउर्ध्वनाज्ज्थनसमूहस्यथ ॥ ७ ॥

२१४

गायिकाधिकसन्निपातयालक्षणनिदानं ॥ १ ॥
 हृषिक्याहिक्यामीलकण ॥ २ ॥
 स्थापकं वदन्ति ॥ ३ ॥
 वदन्ति कुरुवदन्ति ॥ ४ ॥
 सन्निपातं ॥ ५ ॥
 सन्निपातं ॥ ६ ॥
 सन्निपातं ॥ ७ ॥

न नमः

2824

118512 2811012 1112 2
118512 2811012 1112 2